महाविद्यालय ने की पहल

'बेनजीर' ने पेश की मिसाल, पेट भरेगा रोटी बैंक

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय (पुराना बेनजीर) ने जरूरतमंद, गरीबों और मरीजों की मदद का अनोखा रास्ता निकाला है। महाविद्यालय ने शासकीय अस्पतालों में भर्ती गरीब मरीजों और उनके परिजनों की मदद के लिए रोटी बैंक शुरू किया है। महाविद्यालय प्रांगण में गुरुवार को इस बैंक की विधिवत शुरुआत प्राचार्य डॉ. विभा शुक्ला ने की। इस रोटी बैंक का नाम खुद का रोटी बैंक रखा गया है।

जानकारी के अनुसार महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना

महाविद्यालय में रोटी बैंक शुरू।

के तहत इस बैंक को संचालित किया जाएगा। इसे महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, कार्यालय स्टॉफ और विद्यार्थी साझा रूप से संचालित करेंगे। इसमें कॉलेज आने वाले सभी लोग प्रति दिन एक से अधिक रोटी लाकर इस रोटी बैंक मे जमा करेंगे। बैंक में रोटियां दोपहर दो बजे तक एकत्रित की जाएंगी। इसके बाद महाविद्यालय की एनएसएस इकाई के छात्र नजदीक के शासकीय अस्पतालों, एम्स आदि में भर्ती मरीजों के परिजनों को ये रोटियां वितरित करेंगे। प्राचार्य के अनुसार रोटी बैंक को शुरू करने का उद्देश्य है कि शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों में सामाजिक प्रतिबद्धता का भी निर्माण हो। साथ ही पीड़ितों के प्रति सहानुभूति जागृत हो।

रोटी बैंक के शुभारंभ के अवसर पर डॉ. राकेश सक्सेना, डॉ. सरला पटेल, डॉ. जीपी यादव, एनएस अधिकारी डॉ. सुधांशुधर द्विवेदी, डॉ. एसके मल्होत्रा, डॉ. राजेश श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

रोटी बैंक
बाक्स
रोटी बैंक
रोटी बैंक
बाक्स

रोटी बैंक
बाक्स

इससे अधिक की मांग कर लेते हैं। यह सुझाव असहाय लोगों की मदद करने वाला और छात्रों को सामाजिक सरोकार से जोड़ने वाला लगा। इसलिए यह रोटी बैंक शुरू किया गया। साथ ही तय किया गया कि इसमें सभी छात्रों व स्टॉफ की स्वैच्छिक रूप से भागीदारी कराई जाएगी। अब इसमें अन्य छात्र और फैकल्टी भी जुड़ रही है। इस बैंक की शुरुआत एक छोटे डिब्बे से की गई।

30 अगस्त से हुई थी रोटी बैंक की शुरुआत

छात्रसंघ प्रभारी डॉ. राजेश श्रीवास्तव के अनुसार रोटी बैंक की शुरुआत 30 अगस्त को की गई है। इस दिन से लगातार रोटी बैंक में छात्र व फैकल्टी अपनी सहभागिता दे रहे हैं। कॉलेज खुलने का समय सुबह 9:30 है। वहीं इसमें दोपहर 3 बजे तक रोटी कलेक्शन के लिए डिब्बा रख रखा है। इसके बाद अस्पतालों में यह रोटी पहुंचाई जाती हैं। इसमें छात्र भी आगे आते हैं। इसके लिए मुख्य रूप से राष्ट्रीय स्वयं सेवा से जुड़े शिक्षकों व छात्रों का सहयोग है।

अभी 700 रोटियां, 2000 से ज्यादा जा सकती है संख्या

कॉलेज में 30 टीचिंग फैकल्टी, 15 नॉनटीचिंग स्टाफ और लगभग 2000 छात्र-छात्राएं हैं। इनमें यह रोजाना सिर्फ एक रोटी भी ला लाते हैं तो 2000 से अधिक संख्या में कलेक्शन होगा। इससे बड़ी संख्या में लोगों कम से कम एक वक्त की रोटी मिल सकेगी। यह काम सतत रूप से चले इसलिए इसके लिए छात्रों के ग्रुप बनाए जा रहे हैं। जिससे हर एक छात्र की सहभागिता तय हो सके। कॉलेज प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि यह अनिवार्य नहीं है। लेकिन, सामाजिक सरोकार के लिए छात्र आगे आएं इसलिए उन्हें प्रेरित किया जा रहा है।

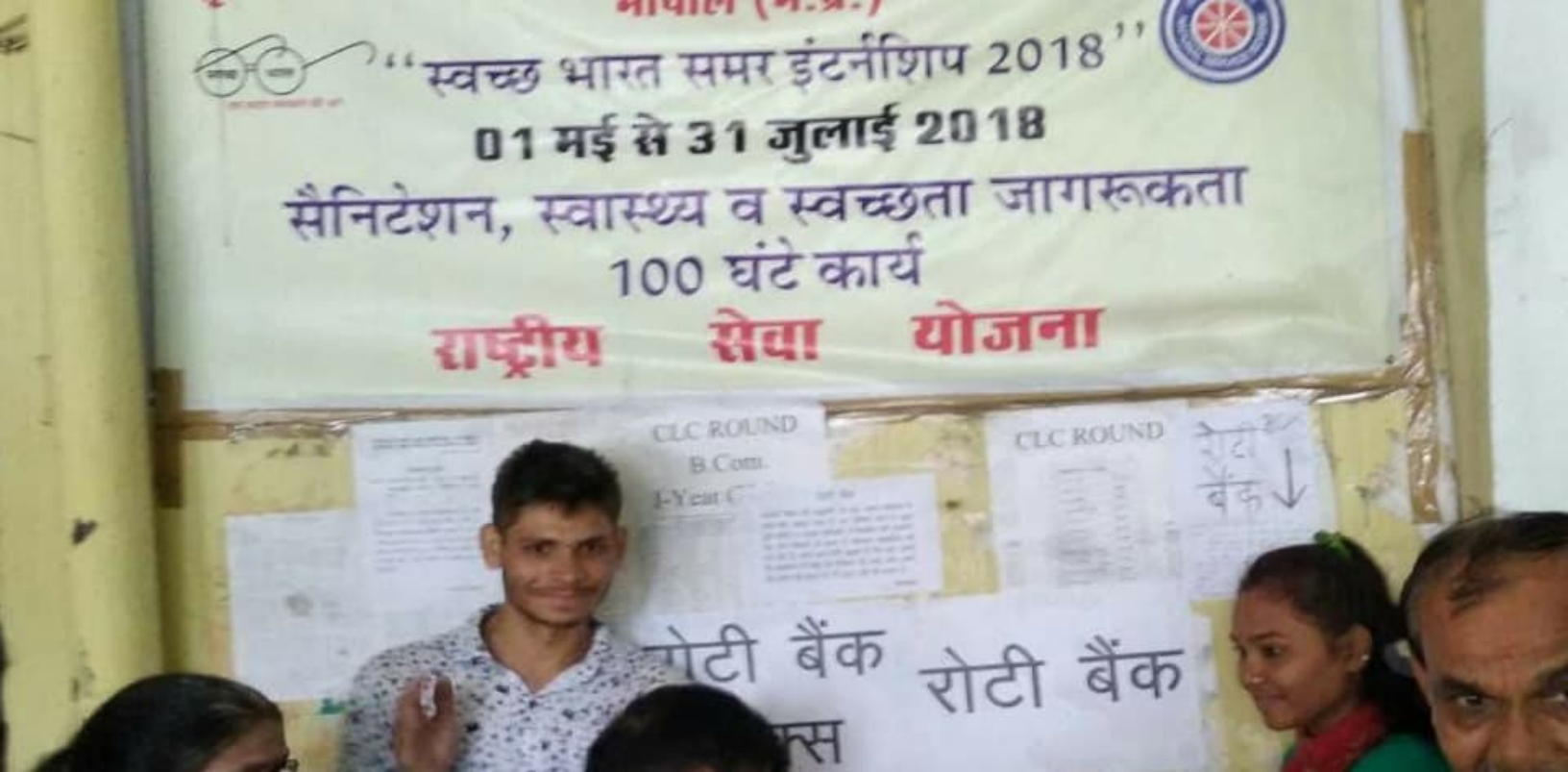
"स्वच्छ भारत समर इंटर्नशिप 2018"
01 मई से 31 जुलाई 2018
सैनिटेशन, स्वास्थ्य व स्वच्छता जागरूकता
100 घंटे कार्य
राष्ट्रीय सेवा योजना
CLC ROUND
B.Com.
CLC ROUND
रोटी बैंक
रोटी बैंक

रोटी बैंक
रोटी बैंक
बाक्स